कछुक करके आकीन, कलमा सुनसी कान।
तिनभी सिर कजा समें, लगसी जाए आसमान।। ३७ ।।

जिन्होंने कुछ भी यकीन लेकर कलमे को कान से सुना है, उनका सिर भी कजा (इन्साफ) के दिन ऊंचा होगा।

एह बात तेहेकीक है, मोमिनों दिल साबित।
सब्द जो सारे मुझ पें, एक जरा नहीं असत।। ३८ ।।

यह बात सत्य है कि मोमिनों के दिल में पक्का यकीन होगा। जो मैं कह रहा हूं उनमें से एक शब्द भी झूठा नहीं होगा।

देखन मोमिन खातिर, रचिया खेल सुभान।
अब मोमिन क्यों भूलहीं, पाई हकीकत फुरमान।। ३९ ।।

मोमिनों को खेल दिखाने के लिए ही खेल बनाया है। अब मोमिन कुरान की हकीकत का ज्ञान पाकर क्यों भूलेंगे?

जो सबों को अगम, सो सब रसूल नजर।
तो रसूल मुसलिम को, फिरे सों फुरमाए कर।। ४० ।।

सारे संसार को जिस पारब्रह्म की पहचान नहीं है, वह रसूल साहब की नजर में हैं, इसीलिए जिनका धर्म पर ईमान है, उनको हिदायत (आदेश, हुकम) देकर वापस चले गए।

॥ प्रकरण ॥ १९ ॥ चौपाई ॥ ५०४ ॥

सनन्ध–फुरमान की

फुरमान ल्याया जो रसूल, पर समझया नाहीं कोए।
जिन खातिर ले आइया, ए समझेगी रूह सोए।। १ ।।

रसूल साहब जो कुरान का ज्ञान लाए उसे कोई नहीं समझता। इसको परमधाम के मोमिन ही समझेंगे जिनके वास्ते कुरान आया है।

कछुक नबिऐं जाहेर किए, ए जो बंदगी सरियान।
केतेक हरफ रखे गुझ, सो करसी मेंहेदी बयान।। २ ।।

नबी (रसूल साहब) ने नब्बे हजार हरफ सुने थे। उनमें से शरीयत की बन्दगी के जाहिर किए। हकीकत के हरफ को छिपाकर रखा और कहा कि इमाम मेंहदी जब आएंगे, वही इसके मायने खोलेंगे।

और भी केतेक सुने रसूलें, पर सो चढ़े नहीं फुरमान।
सो मेंहेदी अब खोलसी, इमाम एही पेहेचान।। ३ ।।

मारफत के सुने शब्द कुरान में नहीं लिखे। उनको इमाम मेंहदी आकर खोलेंगे। यही इमाम मेंहदी की पहचान होगी।

माएने इन मुसाफ के, कोई खोल न सके और।
कह्या रसूलें इमाम थें, जाहेर होसी सब ठौर।। ४ ।।

कुरान के अर्थ दूसरा और कोई खोल नहीं सकता। रसूल साहब ने पहले से कह दिया था कि इमाम मेंहदी के द्वारा कुरान के छिपे भेदों के रहस्य सब ठिकाने (स्थान) जाहिर होंगे।

Nijanand App

मगज माएने मुसाफ के, सो होए न इमाम बिन।
सो इत बोहोतों देखिया, पर सुध ना परी काहू जन।।५।।

कुरान के रहस्य इमाम मेंहदी के बिना कोई नहीं खोल सकता। बहुतों ने प्रयत्न तो किया, पर खबर नहीं पड़ी।

गुझ का गुझ कौन पावहीं, बिना मेंहेदी इमाम।
ए रूह अल्ला जानहीं, मेरे अल्ला के कलाम।।६।।

कुरान गुझ (गुह्य) है उसमें भी गुझ अर्शे अजीम और वाहेदत की बातें हैं इन्हें इमाम मेंहदी के अलावा और कोई नहीं जानता। यह मेरे अल्लाह की वाणी है। इसको रूह अल्लाह (श्यामा महारानी) जानती हैं।

ए क्यों उपज्या है क्या, क्यों कयामत संग सुभान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।७।।

यह संसार क्या है? क्यों बना है? इसकी कायमी सुभान (अल्लाह) कैसे करेंगे? यह सब भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे और कुरान के रहस्य भी वही बताएंगे।

क्यों फरेब से न्यारे रहिए, क्यों चलिए सरियान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।८।।

इस झूठे संसार से अलग कैसे हो सकते हैं? कैसे शरीयत की बन्दगी करनी है? इनके भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे और कुरान के मायने जाहिर करेंगे।

रूह कौन मोमिन कौन मुस्लिम, कौन रूह कुफरान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।९।।

संसार में जीव कौन है, ईश्वरी सृष्टि कौन है, ब्रह्मसृष्टि कौन है और काफिर कौन है? यह भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे और कुरान के रहस्य खोलेंगे।

तीन रूहों की तफावत, कौन कौन ठौर निदान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।१०।।

जीव, ईश्वरी, और ब्रह्मसृष्टि में अन्तर और इनके धामों (ठिकाने) को भी इमाम मेंहदी खोलेंगे और कुरान के मायने जाहिर करेंगे।

क्यों इस्क क्यों बंदगी, क्यों गफलत गलतान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।११।।

मोमिन अल्लाह से इश्क कैसे करते हैं? ईश्वरी सृष्टि बन्दगी कैसे करती है? और जीव सृष्टि गफलत में कैसे पड़ती है? इसके मायने इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्यों पाक ना पाक क्यों, क्यों रेहेनी फुरमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।१२।।

संसार में पाक (पवित्र) होना किसे कहते हैं? (पारब्रह्म की पहचान तथा उसमें चित्त लगा देना) नापाक कौन हैं? तथा फरमान (कुरान) के मुताबिक कैसे संसार में रहना है? इसके भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे।

Nijanand App

क्यों उजू निमाज क्यों, क्यों कर बांग बयान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १३ ।।

उजू कैसे करना है? निमाज कैसे पढ़नी है? तथा कलमा की आवाज किस तरह से लगानी है, इसके भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

क्यों कसौटी अंग की, क्यों रोजे रमजान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १४ ।।

रमजान के महीने में रोजा रखकर शरीर को किस तरह से कसना है? यह भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

क्यों सुंनत क्यों इंद्रियां, क्यों राखे कैद आन।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १५ ।।

सुन्नत क्या है? इन्द्रियां क्या हैं? और इनको किस तरह से वश में रखना है, इस ज्ञान को भी इमाम मेंहदी आकर बताएंगे।

क्यों तसबी क्यों फेरनी, क्यों कर नाम लेहेलान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १६ ।।

माला क्या है? और खुदा का नाम ले लेकर कैसे उसे जपना है? यह भी इमाम मेंहदी आकर बताएंगे।

क्यों डर क्यों बेडर, क्यों खूंनी मेहेरबान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १७ ।।

किससे डरना है? किससे नहीं डरना है? किसका खून करना है? तथा किस पर मेहर (कृपा) करनी है? यह सब भेद इमाम मेंहदी आकर खोलेंगे।

क्या खाना क्या पीवना, क्या जो सुनना कान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १८ ।।

क्या खाना है? क्या पीना है? और क्या कानों से सुनना है? इसके भेद भी इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्या लेना क्या छोड़ना, क्या इलम क्या ग्यान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। १९ ।।

क्या लेना है? क्या छोड़ना है? इलम क्या है? ज्ञान क्या है—यह सब भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्यों भली बुरी क्यों, क्यों कर जान अजान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २० ।।

भला क्या है? बुरा क्या है? किसको जानना है? किसको नहीं जानना है? यह भेद भी इमाम मेंहदी खोलेंगे और कुरान के मायने जाहिर करेंगे।

कौन वैरी कौन सजन, क्यों कर सब समान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २१ ।।

कौन दुश्मन है? कौन सज्जन है? सब समान कैसे हैं? इन सबके मायने इमाम मेंहदी खोलेंगे।

Nijanand App

क्या हक क्या हराम, क्या नफा नुकसान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २२ ।।

हक क्या है? हराम क्या है? नफा क्या है? नुकसान क्या है? इसके भेद इमाम मेंहदी आकर खोलेंगे।

क्यों आवन क्यों गवन, क्यों कर विरहा मिलान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २३ ।।

जन्म, मरण, मिलना, बिछुड़ना इनके भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

एक खेल दूजा देखहीं, थिर चर चारों खान।
ए सब इम्माम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २४ ।।

खेल करने वाले कौन हैं? देखने वाले कौन हैं? चर और स्थिर जीवों में चारों तरफ की सृष्टि (अण्डे से, शरीर से, पसीने से, अग्नि से) कैसे बनी है? इसकी पहचान इमाम मेंहदी कराएंगे।

ए किया जिन खातिर, आदम और हैवान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २५ ।।

यह जिनकी खातिर ब्रह्माण्ड बनाया है, वह आदम कौन है और हैवान कौन है? यह सब भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे।

कौन आप और कौन पर, कौन सकल जहान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २६ ।।

अपना कौन है? पराया कौन है? यह संसार क्या है? इसके भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्यों बाहेर क्यों अंदर, क्यों अंतर के निसान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २७ ।।

बाहर क्या है? अन्दर क्या है? दूरी क्या है? इसके भेद इमाम मेंहदी खोलेंगे।

कहां भिस्त कहां दोजख, क्यों जलसी कुफरान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २८ ।।

बहिश्त कहां है? दोजख कहां है? और काफिर लोग कैसे जलेंगे? इसके मायने इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्यों आदम क्यों पैगंमर, क्यों फिरस्ते पेहेचान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। २९ ।।

आदम कौन है? फरिश्ते कौन हैं? पैगम्बर कौन हैं? इसकी पहचान भी इमाम मेंहदी खोलेंगे।

कलमें दीन रसूल की, सुध मुस्लिम फुरमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३० ।।

कलमे की, दीन की, रसूल की, कुरान पर यकीन रखने वाले मुसलमान की सुध भी इमाम मेंहदी देंगे।

रसूल आए किन वास्ते, किन पर ल्याए फुरमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३१ ।।

रसूल किनके वास्ते आए तथा किनके लिए फरमान लाए हैं? इनके भेद भी इमाम मेंहदी खोलेंगे।

Nijanand App

क्यों हुकम क्यों कर हुआ, किनं बिध लीजे मान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३२ ।।

संसार बनने का हुकम खुदा ने क्यों और कैसे दिया और यह कैसे मानना है? इसकी खबर भी इमाम मेंहदी देंगे।

एकों क्यों कर मानिया, क्यों लिया न दूजे मान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३३ ।।

कुछ लोगों ने इसे किस तरह से माना तथा दूसरों ने क्यों नहीं माना? यह भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

किन मान्या न मान्या किन, किन फेरया फुरमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३४ ।।

कुरान को किसने माना? किसने नहीं माना और किसने ठुकरा दिया? इसके भेद भी इमाम मेंहदी खोलेंगे।

क्यों कैद बेकैद क्यों, क्यों दोऊ दरम्यान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३५ ।।

किस तरह से गुण, अंग, इन्द्रियों को बांधना है? कैसे इनको स्वतन्त्र छोड़ना है तथा कैसे इन दोनों के बीच में रहना है? इसके भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

क्यों ए इंड खड़ा किया, क्यों करी सरत फना निदान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३६ ।।

यह ब्रह्माण्ड क्यों बनाया? कैसे इसके नष्ट करने का वायदा किया? इसके भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

क्यों बड़ी अकल आगे आवसी, क्यों आखिर के निसान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३७ ।।

किस तरह से जागृत बुद्धि (असराफील) आगे आएगी तथा किस तरह से कयामत के निशान जाहिर होंगे? इसका ब्योरा इमाम मेंहदी आकर बताएंगे।

बंदगी वजूद नफसानी, नासूत बीच सरियान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३८ ।।

नफसानी (इन्द्रियों की) बन्दगी और जिसमानी (शरीर की) बन्दगी क्या है तथा मृत्युलोक में किस तरह से शरीयत पर चलना है? यह सब भेद इमाम मेंहदी बताएंगे।

क्यों दिल की बंदगी तरीकत, मलकूत या ला–मकान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ३९ ।।

किस तरह दिल की बन्दगी (तरीकत) करके बैकुण्ठ या निराकार तक जाया जाएगा? यह सब भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

नासूत मलकूत जबरूत, लाहूत चौथा आसमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।। ४० ।।

मृत्युलोक, बैकुण्ठ, अक्षरधाम, परमधाम इन चारों आसमानों के भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

Nijanand App

क्यों रूहें भेद छिपी हजूरी, बंदगी हादी संग आसान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४१ ।।

किस तरह से रूहें छिपी और हजूरी (हाजिरी) बन्दगी अपने हादी (श्यामाजी महारानी) के साथ करती हैं? यह भेद इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

मलकूत ऊपर जो जुलमत, नाम बुरका ला-मकान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४२ ।।

बैकुण्ठ के ऊपर मोह तत्व के आवरण को जिसे लामकान (निराकार) कहते हैं, इसके भेद इमाम मेंहदी के बिना कौन बताएगा?

सरियत तरीकत हकीकत, मारफत हक पेहेचान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४३ ।।

शरीयत, तरीकत, हकीकत, और मारफत (कर्मकाण्ड, उपासना, ज्ञान और विज्ञान) की बन्दगी से हक की पहचान कैसे होगी? यह भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

बेचून बेचगून बेसबी, कहे बेनिमून निदान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४४ ।।

बेचून (बेमिसाल, निरुपम), बेचगून (गुण रहित), बेशबी (जिसकी शक्ल न हो), बेनिमून (जिसकी उपमा न हो)—इनके भेद इमाम मेंहदी आकर खोलेंगे।

निराकार निरंजन सुन्य की, ब्रह्म व्यापक मांहें जहान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४५ ।।

निराकार, निरंजन, शून्य तथा संसार में ब्रह्म कैसे व्यापक है? इसकी खबर भी इमाम मेंहदी देंगे।

पुरुख प्रकृती काल की, ईश्वर महाविष्णु उनमान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४६ ।।

प्रकृति की, पुरुष की, काल की, ईश्वर की, महाविष्णु की जिसकी लोग अटकल लगाते हैं, उसके भेद इमाम मेंहदी आकर बताएंगे।

सदरतुल मुंतहा अर्स अजीम, नूर जमाल सूरत सुभान।
ए सब इमाम खोलसी, करसी जाहेर माएने कुरान।।४७ ।।

अक्षरधाम, परमधाम तथा श्री राजजी महाराज के स्वरूप के भेदों को भी इमाम मेंहदी आकर खोलकर बताएंगे।

नूर पार नूर तजल्ला, पोहोंचे रसूल रूहअल्ला हजूर।
ए सब इमाम खोलसी, जो दोनों किया मजकूर।।४८ ।।

नूर (अक्षर), नूर तजल्ला (परमधाम) जहां पर रसूल साहब अल्लाह के हजूर में पहुंचे थे, उनके भेद भी इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे कि उनके बीच क्या बातें हुई थीं।

क्यों नूर क्यों नूर तजल्ला, क्यों कर वतन खसम।
खोलसी माएने इमाम, खातिर मोमिनों हम।।४९ ।।

हम मोमिनों के वास्ते नूर की, नूर तजल्ला की, वतन की और खसम की हकीकत इमाम मेंहदी खोलकर बताएंगे।

Nijanand App

चौदे तबक की बात जो, सो तो केहेसी सकल जहान।
पर लैलतकदर मेंहेदी बिना, क्यों खुले माएने कुरान।।५०।।

चौदह लोकों की बातें तो सारा संसार कहेगा पर लैलतुलकदर (इस कदर लम्बी रात जिसमें रूहें और फरिश्ते उतरे), इमाम मेंहदी के बिना इसके माएने कौन खोलेगा?

ए जो पूछे माएने, खोल दिए कदी सोए।
तो इनसे चौदे तबक में, क्यों कर कजा जो होए।।५१।।

यह जो सब सवाल पूछे हैं यदि उस समय खोल दिए गए होते, तो चौदह लोकों के जीवों की कजा कैसे होती और इनको बहिश्तों में कायम कौन करता?

लुगे लुगे के माएने, जो कोई निकसे बोल।
ए कजा तब होवहीं, जब दीजे माएने सब खोल।।५२।।

एक-एक हरफ (शब्द) के माएने जो कुरान में लिखे हैं जब खुल जाएंगे, तभी फैसला होगा और कजा तभी होगी।

ए नूर के पार के माएने, सो सारों को अगम।
एक लुगा बिना इमाम, निकसे ना मुख दम।।५३।।

अक्षर के पार अक्षरातीत का ज्ञान सारे जगत को पता नहीं था। बिना इमाम मेंहदी के एक शब्द का भी भेद कोई नहीं खोल सकता।

जब माएने खुले मुसाफ के, बैठे इमाम जाहेर होए।
तब ए दुनी जुदी जुदी, क्यों कर रहसी कोए।।५४।।

जब कुरान के भेद खुलें तो समझ लेना इमाम मेंहदी जाहिर हो गए हैं। तब यह दुनियां अलग-अलग कैसे रह सकती है?

सो इमाम जाहेर हुए, ले माएने कुरान।
नूर सबों में पसरया, एक दीन हुई सब जहान।।५५।।

अब वह इमाम मेंहदी कुरान के रहस्यों को लेकर जाहिर हो गए और उनका ज्ञान सबों में फैला तथा सारी दुनियां एक दीन में आ गई।

ए तो करी इसारत, पर बोहोत बड़ी है बात।
नूर बड़ो इमाम को, सो या मुख कह्यो न जात।।५६।।

यह तो अभी इशारे मात्र बातें लिखी हैं। इनका विस्तार बहुत बड़ा है। इमाम साहब के ज्ञान के तेज का वर्णन इस मुख से नहीं होता है।

ए नूर खुद वतनी, सो क्यों कर सह्यो जाए।
नूर मत आगे तो करी, जाने जिन कोई गोते खाए।।५७।।

यह इमाम मेंहदी खुद खुदा हैं जिनके तेज को पहचाना नहीं जा सकता, इसलिए असराफील (तारतम) (जागृत बुद्धि) को पहले भेज दिया है, ताकि किसी को पहचानने में धोखा ना हो।

इमाम आए तब जानिए, जब खुले माएने कुरान।
तब जानों आखिर हुई, सुख दिया सब जहान।।५८।।

जब कुरान के रहस्य खुल जाएं, तब समझ लेना कि इमाम मेंहदी आ गए हैं। तभी समझना कि आखिरत का समय हो गया है और सारे संसार को उन्होंने ही सुख दिया है।

Nijanand App

आद करके अबलों, परदा न खोल्या किन।
सो बरकत मेंहेदी महंमद, खुल जासी सब जन।।५९ ।।

शुरू से आज तक इस भेद को किसी ने नहीं खोला। मेंहदी मुहम्मद की कृपा से यह सब भेद सभी को खुल जाएंगे।

लोक जाने ज्यों और है, ए भी फुरमान तिन रीत।
पर दिल के अंधे न समझहीं, ए फुरमान सब्दातीत।।६० ।।

संसार वाले जानते हैं कि यह कुरान भी दूसरे धर्म ग्रन्थों की तरह है, परन्तु यह दिल के अन्धे नहीं समझते कि इस कुरान के अन्दर पार का ज्ञान है।

ए कागद नहीं फरेब का, और कागद सब छल।
अबहीं इमाम देखावहीं, रसूल किताब का बल।।६१ ।।

दुनियां के सारे धर्म ग्रन्थ माया के अन्दर के हैं और यह कुरान ग्रन्थ माया के बाहर का है। माया का नहीं है। अब इमाम मेंहदी साहब आ गए हैं और वह रसूल के कुरान की शक्ति को दिखाएंगे।

।। प्रकरण ।। २० ।। चौपाई ।। ५६५ ।।

सनन्ध–मुस्लिम की रेहेनी

सुनियो अब मोमिनों, ए केहेती हों सब तुम।
जब तोड़ी आइयां नहीं, इमाम के कदम।।१ ।।

श्री महामतिजी कहती हैं, हे मोमिनो! अब सुनना, यह सब तब तक तुमको ही कह रही हूं, जब तक तुम इमाम साहब के कदमों में नहीं आ जाते।

मैं चाहों मोमिन को, हम तुम एकै अंग।
मैं तबहीं सुख पाऊंगी, मेंहेदी महंमद मोमिन संग।।२ ।।

हे मोमिनो! मैं तुमको चाहती हूं क्योंकि हम तुम एक ही अंग हैं। मुझे तभी सुख होगा जब मोमिन, मुहम्मद और मेंहदी तीनों इकट्ठे हो जाएंगे।

आए ईसा मेंहेदी महंमद, मोमिन आवसी कदम।
हनोज लों कबूं न हुई, सो होसी नई रसम।।३ ।।

मुहम्मद, ईसा, मेंहदी (बसरी, मलकी, हकी) आ गए हैं। अब मोमिन इनके चरणों में आएंगे। आज तक जो लीला नहीं हुई, वह नई लीला अब होगी।

बड़ा मेला इत होएसी, आए खुद खसम।
बखत भला साहेब दिया, भाग बड़े हैं तुम।।४ ।।

खुदा खुद आया है। यहां पर बहुत बड़ा मेला होगा। हे मोमिनो! तुम्हारे बड़े नसीब हैं कि यह मौका तुमको मिला है।

नेक कहूं राह मुस्लिम की, जो देखाई रसूलें मेहेर कर।
भूले अवसर पछताइए, सो कहूं सुनो दिल धर।।५ ।।

जो रसूल साहब ने कृपा कर मोमिनों के वास्ते रास्ता बताया है उसकी हकीकत मैं थोड़ी-सी बताती हूं। उसे दिल में बिठा लेना, नहीं तो वक्त चले जाने के बाद पछतावा होगा।

Nijanand App